

रजिस्टर्ड नं० पी०/एस० एम० 14.



# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

## (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शुक्रवार, 23 मार्च, 1979/2 चैत्र, 1901

हिमाचल प्रदेश सरकार

कार्मिक विभाग (नियुक्ति-1)

अधिसूचना

शिमला-171002, 17 मार्च, 1979

सं० का० वि० (नि०-1)बी० (1)-1/77.—भारत निर्वाचन आयोग की अधिसूचना संख्या 154/हि० प्र०/79, दिनांक 26 जनवरी, 1979 हिमाचल प्रदेश सरकार के राजपत्र में आम सूचना के लिए प्रकाशित किया जाता है:—

संख्या 154/हि0प्र0/79.—लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 (1950 का 43) की धारा 13 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत निर्वाचन आयोग, हिमाचल प्रदेश सरकार के परामर्श से श्री पी0 पी0 श्रीवास्तव के स्थान पर श्री एच0 एस0 दुबे, आई0 ए0 एस0 वित्तीय आयुक्त, हिमाचल प्रदेश को उनके कार्यभार सम्भालने को तारीख से अगले आदेशों तक हिमाचल प्रदेश राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रूप में एतद्द्वारा नाम निर्देशित करता है।

आदेश से,  
टी0 नागरतनम,  
सचिव, भारत निर्वाचन आयोग।

एल0 एच0 तोछांग,  
मुख्य सचिव।

### निर्वाचन विभाग

### अधिसूचना

शिमला-171002, 19 मार्च, 1979

संख्या 7-14/78-इलैक0—जबकि कांगड़ा जिला की ग्राम सभा बंगोली मोहारा तथा खैरिया खास (देहरा विकास खण्ड) के अतिरिक्त समस्त ग्राम पंचायतों के सामान्य निर्वाचन का आह्वान इस विभाग की अधिसूचना संख्या 7-4/76-इलैक0, दिनांक 22 अगस्त, 1978 द्वारा किया गया था और निर्वाचन की सम्पन्नता की तिथि अधिसूचना संख्या 7-6/78-इलैक0, दिनांक 26 सितम्बर, 1978 द्वारा 30 नवम्बर, 1978 घोषित की गई थी, परन्तु निर्वाचन सम्बन्धी विवादों के कारण, लोगों द्वारा निर्वाचन का बहिष्कार व नामांकन पत्र दाखिल न होने के कारण कुछ एक ग्राम सभाओं में उक्त तिथि तक निर्वाचन सम्पन्न नहीं हो सके थे। जिसके फलस्वरूप निर्वाचन की सम्पन्नता की तिथि अधिसूचना यशोपरि संख्या दिनांक 5 जनवरी, 1979 द्वारा 15 फरवरी, 1979 तक बढ़ाई गई थी;

और जबकि, कांगड़ा जिले की कुछ ग्राम सभाओं में निर्वाचन सम्बन्धी विवादों और सदियों में लोगों द्वारा स्थान परिवर्तन के कारण निर्वाचन उक्त निर्धारित तिथि तक सम्पन्न नहीं हो सके।

अतएव अधोहस्ताक्षरी द्वारा कांगड़ा जिले में ग्राम पंचायतों के निर्वाचन की सम्पन्नता की तिथि 15 जून, 1979 तक बढ़ाई जाती है।

हरि शंकर दुबे,  
सचिव (निर्वाचन)।